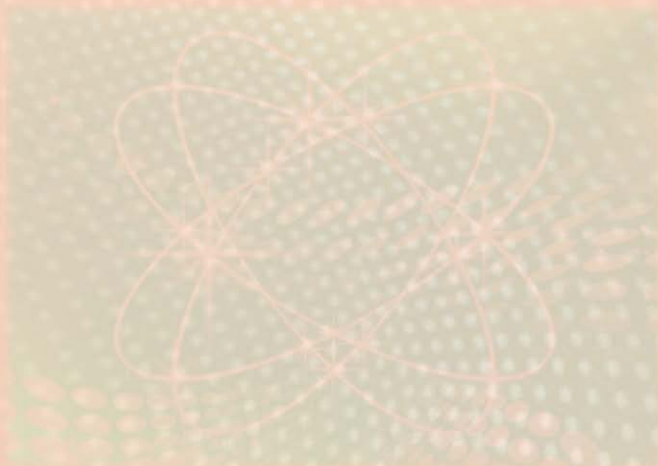


青少年必读经典

# 青少年一定要读的经典寓言故事

刘铁岩 编著



延边人民出版社

图书在版编目（CIP）数据

青少年必读经典/刘铁岩 编著 —延吉，延边人民出版社.

2002.2（2008.4重印）

ISBN 978-7-80648-731-0

I. 青… II. 刘… III. 成功心里学-通俗读物

IV. B848-4

中国版本图书馆 CIP 数据核字（2002）第 004689 号

青少年一定要读的经典寓言故事

编著：刘铁岩

责任编辑：张光朝

策划：王辉

出版发行：延边人民出版社

印刷：北京德胜印刷有限公司

开本：710×1000 1/16

印张：17.5

字数：200 千

印数：1-5000 册

版次：2008 年 4 月修订 2008 年 10 月第 2 次印刷

标准书号：ISBN 978-7-80648-731-0

定价：154.80 元（全六册）

（本版图书凡印刷、装订错误可及时向承印厂调换）

# 前言

在青少年的成长过程中，总会遇到很多困难和挫折，要成功势必要跨越很多障碍。而励志书就是精神生活的飨宴，每读一本，就会汲取许多生活智慧。读励志书就像交了一位良友，它娓娓道出了成功者的成败辛酸和回应之道，打开了心灵的宽阔视野。鉴于此，我们编撰了《青少年必读经典》丛书，希望在青少年的人生旅途上，为其点燃心灵的薪火，为其照亮明天的旅程。

本丛书中包含了众多的成语故事、神话故事、幽默故事、传奇故事、历史故事、寓言故事、励志故事等，多层面、多角度，深入浅出地阐述了人生哲理。我们避开生硬简单的说教，于简练的语言中引发出人生的真理，旨在教导青少年如何迎接生活的挑战、怎样在生活中坚持崇高的信仰、怎样跨越人生的障碍、怎样拥有十足的自信……书的力量是巨大的，它可以引导人的一生走向成功。卡耐基曾经说过：“人生的价值，就是创造有价值的人生。正是如此，人生最值得回味的地方并不在功成名就之时。”这是一句至理名言，也是一切人生理念的思想基础。用心品读，相信每一个人会受益匪浅。

李嘉诚曾经说过，人第一要有志，第二要有识，第三要有恒。一个人的一生是非常短暂的，一个人的价值不在于他拥有什么，而是在于他做了什么，付出了什么。在追求人生成就的过程中，学习李嘉诚“建立自我，追求无我”的精神，永远坚持不要松懈，努力追求更高，创作不平凡自我，实现人生的价值与目标。完善自我人生发展规划，进而赢得魅力人生。人生最重要的，不再于知，而在于行，知是为行作准备的。最后，愿《青少年必读经典》可以指引青少年朋友奋斗的方向，带给我们生命的启迪！

# 目 录

|                 |    |
|-----------------|----|
| 远虑与近忧.....      | 1  |
| 取名不当.....       | 3  |
| 不怕鬼的和尚 .....    | 5  |
| 瞎子摸象.....       | 7  |
| 秀才的忌讳.....      | 9  |
| 发现金狮子的人.....    | 11 |
| 摇头摆尾.....       | 12 |
| 老人和他的孩子.....    | 13 |
| 驾驭木筏.....       | 15 |
| 失去财宝的守财奴.....   | 17 |
| 诚心所致.....       | 18 |
| 田野之神和过路人.....   | 20 |
| 野兔和竹鸡.....      | 21 |
| 狮子出征.....       | 22 |
| 老鹰和猫头鹰 .....    | 23 |
| 驴子和它的主人.....    | 25 |
| 老鹰、百灵鸟和捉鸟人..... | 26 |
| 狗和驴子.....       | 27 |
| 名士与商人.....      | 28 |
| 投鼠忌器.....       | 30 |

|                   |    |
|-------------------|----|
| 学问的好处.....        | 32 |
| 隼和鸢鸡.....         | 33 |
| 激流和河流.....        | 34 |
| 死驴和两只狗 .....      | 35 |
| 天鹅与厨师.....        | 36 |
| 苍蝇和蚂蚁.....        | 37 |
| 人与木制的神像.....      | 38 |
| 梦中受辱.....         | 39 |
| 两只鹦鹉、国王和他儿子 ..... | 40 |
| 两个朋友.....         | 42 |
| 能力与命运.....        | 43 |
| 施家和孟家.....        | 44 |
| 野猪和家猪.....        | 46 |
| 乌鸦兄弟.....         | 47 |
| 三个人爬山 .....       | 48 |
| 向日葵和石头 .....      | 50 |
| 雕和沙漠.....         | 52 |
| 一场轩然大波 .....      | 54 |
| 痴心妄想.....         | 56 |
| 可悉陵降虎.....        | 58 |
| 钱神自白.....         | 60 |
| 宗定伯捉鬼.....        | 62 |

|              |     |
|--------------|-----|
| 眼盲心明.....    | 64  |
| 愚忠的阳谷.....   | 65  |
| 穿井得一人.....   | 67  |
| 扁鹊施换心术.....  | 69  |
| 灵猿受窘.....    | 71  |
| 齐桓公见鬼.....   | 73  |
| 染丝的联想.....   | 75  |
| 神箭手.....     | 76  |
| 阳鬼难捉.....    | 78  |
| 智海小偷.....    | 79  |
| 牛缺遇盗.....    | 81  |
| 小偷退齐兵.....   | 83  |
| 富人的施舍.....   | 85  |
| 偶像的话.....    | 87  |
| 智擒鱼鹰.....    | 89  |
| 假秀才招打.....   | 91  |
| 夫妻妒影.....    | 93  |
| 只为对仗工整.....  | 95  |
| 点灯与钻火.....   | 96  |
| 独目网捕鸟.....   | 98  |
| 蓝狐狸称王.....   | 100 |
| 谁喜欢吃臭老鼠..... | 101 |

|               |     |
|---------------|-----|
| 幸运的牛.....     | 102 |
| 贪玩的后果.....    | 103 |
| 兔、狗赛跑.....    | 104 |
| 蛇医生 .....     | 105 |
| 富翁的第一百只羊..... | 107 |
| 斗力不如斗智 .....  | 108 |
| 一只丑小鸭的悲剧..... | 109 |
| 求千里马.....     | 113 |
| 黔驴技穷.....     | 115 |
| 吹牛无边.....     | 116 |
| 吴裕与公孙穆 .....  | 117 |
| 蝉之死 .....     | 119 |
| 螳螂之勇.....     | 120 |
| 神猴.....       | 121 |
| 两只雉鸡.....     | 122 |
| 渔夫织网.....     | 123 |
| 鸩鸟和毒蛇.....    | 124 |
| 兰子献技.....     | 125 |
| 好谀亡国.....     | 126 |
| 曾子杀猪.....     | 128 |
| 棘刺刻猴.....     | 129 |
| 南辕北辙.....     | 131 |

|                 |     |
|-----------------|-----|
| 郑人买履.....       | 132 |
| 牛和青蛙.....       | 133 |
| 牧人与野山羊 .....    | 134 |
| 好逸恶劳的齐国男子 ..... | 135 |
| 山鸡起舞.....       | 137 |
| 农夫与争吵的儿子们 ..... | 139 |
| 泉边的鹿与狮子.....    | 140 |
| 蝮蛇和水蛇.....      | 141 |
| 白帆和木桨.....      | 142 |
| 望天树与铁刀木.....    | 143 |
| 陶罐和铁罐.....      | 144 |
| 五十步笑百步 .....    | 146 |
| 明年再不偷鸡 .....    | 147 |
| 买椟还珠.....       | 148 |
| 识别踢人的马 .....    | 149 |
| 坚瓠无用.....       | 150 |
| 鬼也欺软怕硬 .....    | 151 |
| 不材之木.....       | 153 |
| 抱翁老人.....       | 154 |
| 编栅栏选料最难.....    | 156 |
| 轮扁削车轮 .....     | 157 |
| 回头浪子周处 .....    | 159 |



|                |     |
|----------------|-----|
| 高傲的姑娘 .....    | 161 |
| 大臭草进阳台 .....   | 162 |
| 答鸡 .....       | 164 |
| 伯愁和千里马 .....   | 165 |
| 鲲鹏与蓬雀 .....    | 166 |
| 臧和谷亡羊 .....    | 167 |
| 驼背翁捕蝉 .....    | 169 |
| 愚公移山 .....     | 170 |
| 不同的“偷”之道 ..... | 172 |
| 薛谭学唱歌 .....    | 174 |
| 师文学琴 .....     | 175 |
| 楚人学齐语 .....    | 177 |
| 两个青年学棋 .....   | 178 |
| 心不在马 .....     | 179 |
| 守株待兔 .....     | 180 |
| 宓子贱与巫马期 .....  | 181 |
| 狙公失猴 .....     | 182 |
| 射箭和倒油 .....    | 183 |
| 终身不遇 .....     | 185 |
| 一毛不拔难为人 .....  | 186 |
| 老海龟的悲剧 .....   | 187 |
| 斩蚯蚓 .....      | 188 |

|              |     |
|--------------|-----|
| 螳螂法官.....    | 190 |
| 蚂蚁的恐惧.....   | 192 |
| 不知趣的猎狗 ..... | 193 |
| 蛤蟆的担忧.....   | 194 |
| 眼前与将来.....   | 195 |
| 疑病乱投医.....   | 196 |
| 覆车之鉴.....    | 198 |
| 永州鼠 .....    | 199 |
| 玉器和瓦罐.....   | 201 |
| 灵猿受窘.....    | 202 |
| 孔雀惜尾.....    | 204 |
| 老虎模型.....    | 205 |
| 两人一心.....    | 207 |
| 泥偶与木偶.....   | 209 |
| 顽固的蹶叔.....   | 210 |
| 狼、狮子和狐狸..... | 212 |
| 粤人成仙.....    | 213 |
| 染丝的联想 .....  | 215 |
| 瓦瓮与美梦 .....  | 216 |
| 猴子现巧遭祸 ..... | 217 |
| 齐人学弹瑟.....   | 218 |
| 万字难写.....    | 220 |

|               |     |
|---------------|-----|
| 秀才的“大志” ..... | 222 |
| 寒号鸟 .....     | 223 |
| 假博学出洋相 .....  | 224 |
| 狂泉 .....      | 226 |
| 不曾杀陈佗 .....   | 227 |
| 司原氏打猎 .....   | 228 |
| 鲍君神 .....     | 229 |
| 药商竞富 .....    | 231 |
| 黎丘老丈 .....    | 232 |
| 楚人渡河 .....    | 234 |
| 澄子夺黑衣 .....   | 235 |
| 邻人献玉 .....    | 236 |
| 曾参杀人 .....    | 237 |
| 献鸠放生 .....    | 238 |
| 狐假虎威 .....    | 239 |
| 画鬼最易 .....    | 240 |
| 滥竽充数 .....    | 241 |
| 鲁国少人才 .....   | 243 |
| 涸辙之鱼 .....    | 245 |
| 得意忘形的老虎 ..... | 246 |
| 鹬蚌相争 .....    | 247 |
| 亡羊补牢 .....    | 249 |

|               |     |
|---------------|-----|
| 东郭先生和狼 .....  | 250 |
| 无辜的雁奴 .....   | 253 |
| 借火治狗 .....    | 254 |
| 防患于未然 .....   | 256 |
| 鹦鹉救火 .....    | 258 |
| 支公养仙鹤 .....   | 260 |
| 乱爬的螃蟹 .....   | 262 |
| 人与森林之神 .....  | 263 |
| 丁老三与富翁 .....  | 264 |
| 愚才酸甜蠢才涩 ..... | 266 |
| 稀里糊涂的里长 ..... | 267 |
| 焚庐灭鼠 .....    | 269 |
| 碰运气的工匠 .....  | 271 |
| 人云亦云的八哥 ..... | 273 |
| 惠施与船家 .....   | 275 |
| 折箭 .....      | 277 |
| 对牛操琴 .....    | 279 |
| 焚香邀宠 .....    | 280 |
| 谁放的老鼠屎 .....  | 282 |
| 五官争位 .....    | 284 |
| 磬鸣有因 .....    | 286 |
| 钓鱼的诀窍 .....   | 288 |

|              |     |
|--------------|-----|
| 智辨盗贼.....    | 290 |
| 吃肉与智慧.....   | 292 |
| 戴瓮帽的傻子.....  | 294 |
| 书呆子赶鸡.....   | 295 |
| 桑中李树.....    | 296 |
| 许綰的智慧.....   | 298 |
| 夜郎自大.....    | 300 |
| 田忌赛马.....    | 302 |
| 优孟哭马.....    | 304 |
| 白头神猪.....    | 306 |
| 打蚊伤父.....    | 308 |
| 豹子捉老鼠.....   | 310 |
| 骂船如神.....    | 312 |
| 驯养斗鸡.....    | 313 |
| 管庄子刺虎.....   | 315 |
| 割肉自啖.....    | 316 |
| 被困的水怪.....   | 318 |
| 会吹口哨的猎人..... | 320 |
| 鸥鸟与青年.....   | 322 |
| 自相矛盾.....    | 323 |
| 不死神药.....    | 324 |
| 小吏烹鱼.....    | 326 |

|                |     |
|----------------|-----|
| 燕人还乡.....      | 327 |
| 越石父 .....      | 329 |
| 古书与古铜.....     | 331 |
| 僧伽和书生.....     | 332 |
| 与狐谋皮.....      | 333 |
| 助长的灵丹妙药.....   | 334 |
| 空中楼阁.....      | 335 |
| 三人同屋.....      | 336 |
| 南海人赠蛇.....     | 337 |
| 邾君为甲.....      | 338 |
| 宣王之弓.....      | 340 |
| 扛竹竿进城.....     | 341 |
| 其父善游.....      | 342 |
| 欹器的启示.....     | 343 |
| 歧路亡羊.....      | 344 |
| 晏婴两度使楚 .....   | 346 |
| 锒铛剑与火浣布.....   | 348 |
| 多嘴多舌的新媳妇 ..... | 349 |
| 膳吏辩诬.....      | 351 |
| 新裤与旧裤.....     | 352 |
| 商丘开 .....      | 354 |
| 造父学驾车.....     | 356 |

|              |     |
|--------------|-----|
| 神龟的智慧 .....  | 358 |
| 东野稷驾马车 ..... | 359 |
| 游水的秘诀 .....  | 360 |
| 任公子钓大鱼 ..... | 361 |
| 濮水垂钓 .....   | 362 |
| 神鸟与猫头鹰 ..... | 363 |
| 大鹏与焦冥 .....  | 364 |
| 利剑与泉水 .....  | 365 |
| 贼喊捉贼 .....   | 366 |
| 盲人坠桥 .....   | 368 |
| 照抄呈文 .....   | 370 |
| 广纳贤才 .....   | 372 |
| 人也有“黄” ..... | 374 |
| 骗人的招牌 .....  | 376 |
| 鳖与主人 .....   | 377 |
| 蜀鸡遇难 .....   | 378 |
| 老鼠装死 .....   | 380 |
| 楚王的宽容 .....  | 382 |
| 齐威王的礼物 ..... | 384 |
| 高阳应造屋 .....  | 386 |
| 公孙龙的弟子 ..... | 388 |
| 天帝杀龙 .....   | 390 |

|                 |     |
|-----------------|-----|
| 宋王出逃.....       | 391 |
| 说话要看对象 .....    | 393 |
| 涸泽之蛇.....       | 394 |
| 梓庆制鐻.....       | 395 |
| 庄子知鱼乐 .....     | 396 |
| 长翅膀的姑娘和怪物 ..... | 397 |
| 养花人的梦 .....     | 399 |
| 桃符与艾草.....      | 401 |
| 无价之宝.....       | 403 |
| 齐王嫁女.....       | 405 |
| 替景公占梦 .....     | 407 |
| 楚王好细腰 .....     | 409 |
| 狐狸和兔子 .....     | 410 |
| 人和公驴.....       | 411 |
| 三只蚊子和一个阴影 ..... | 413 |
| 乌鸦诉冤.....       | 415 |



## 远虑与近忧

喜鹊的巢筑在高高的树顶上，到了秋天，一刮起大风，窝巢便随树枝摇摇晃晃，简直像要把整个窝巢翻下来一样。每到这时，喜鹊和它的孩子们蜷缩在窝巢中，惊恐万状，害怕得连大气都不敢出。

有一种喜鹊就很聪明，在夏天还未到来的时候，它就想到了秋天，它预料到秋季肯定会经常刮大风，这可真是有远见的喜鹊。为了保障住所未来的安全，它果断地决定立即搬家。于是，它不辞辛苦地寻找安全的处所，终于选中了一处粗大低矮的树桠，这地方低矮踏实，上面有浓密的枝叶遮挡，大风也不可能撼动这个粗大稳固的矮树桠。然后，喜鹊又不厌其烦、不顾劳累地将原来的窝巢从高高的树顶上搬下来，它将那些搭窝的枝条、草叶，一根根、一片片搬到低矮粗大的树桠上，筑起了新居。新筑的窝巢真的是舒适安全，大风再也不会侵犯到这低矮处的树桠上了。

夏天到了，大树浓密的树荫下真凉快，过往行人都不免要到树阴下歇凉。人们在树荫下一抬头就看到了喜鹊的窝巢，再一伸手，就可以轻易地掏到窝巢中的小鹊或鹊蛋。人们觉得挺有趣的。于是，窝巢里的小鹊或鹊蛋经常被人掏走。小孩子们看到大人这样做，他们也来掏小鹊和鹊蛋。尽管小孩子们个子矮够不着鹊窝，可是他们想办法找来竹竿，用竹竿挑巢里的小鹊和鹊蛋，还互相争抢着。

可怜的喜鹊这下更遭殃了，秋季还远远没到，它的住所就被破坏得不像样子了。它虽然考虑到了防备未来的灾患，却没想到眼前的危险，结果还是没能避过灾难。